भिलङ्

त्रैमासिक मुखपत्र

इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

वर्ष–01, दिसंबर–फरवरी, 2026, अंक–01, पृष्ठ–04, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

संरक्षक

प्राचार्य
प्रो. सुरेश चन्द्र ममगाईं

सम्पादक मण्डल

श्री अरविंद नारायण
सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ. अनुरोध प्रभाकर
सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. बबीत कुमार बिहान
सहायक प्राध्यापक,
समाजशास्त्र विभाग

महाविद्यालय का सफर

नव निर्मित व सुनियोजित नगर नई टिहरी के पूर्व में 42 किमी० (नई टिहरी–श्रीनगर सड़क मार्ग) दूरी पर भिलंगना विकासखंड के अंतर्गत मोलनौं–पौखाल गांव में स्थित इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल (टि.ग.) जिसके दक्षिण में चंद्रकूट पर्वत, उत्तर में खैट पर्वत व भिलंगना नदी प्रवाहमान है, का शुभारंभ 19 सितंबर, सन् 2003 ई. को प्राचार्य, अंग्रेज़ी प्रवक्ता, कनिष्ठ लिपिक एवं कार्यालय परिचर के नवसृजित चार पदों के साथ हुआ। महाविद्यालय में अध्ययन–अध्यापन की शुरुआत (सन् 2003–04 ई.) में एक अंग्रेजी प्रवक्ता एवं 13 छात्र–छात्राओं के साथ हुई। डॉ. के. एस. जौहरी (सन् 2005–16 ई.) महाविद्यालय के पहले नियमित व संस्थापक प्राचार्य रहे हैं ।

जून, सन् 2006 ई. में स्नातक स्तर पर कला संकाय के सात विषय– हिंदी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संस्कृत व भूगोल सृजित होने के उपरांत वर्तमान में उक्त सभी विषयों में अध्ययन–अध्यापन कार्य निरंतर गतिमान है। जनवरी, सन् 2026 ई. से महाविद्यालय में 'उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय' का अध्ययन व परीक्षा केंद्र (अध्ययन केन्द्र सं. 15035) भी संचालित हो रहा है। संप्रति महाविद्यालय में प्राचार्य व सभी सात विषयों के प्राध्यापक सेवारत एवं 117 छात्र–छात्राएं अध्यनरत हैं। प्रगति के पथ पर अग्रसर यह महाविद्यालय छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

प्राचार्य जी की कलम से.....

महाविद्यालय के पूर्व एवं अध्यनरत छात्र–छात्राओं! एवं महाविद्यालय–परिवार!!

वर्ष 2026 के तीसरे महीने में मुझे यह कहते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल से त्रैमासिक मुखपत्र (न्यूजलेटर) 'भिलङ्' का प्रकाशन होने जा रहा है। महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष से ही अपने आस–पास के जन–जीवन एवं लोक–संस्कृति से सम्बद्ध रहा है जो हमारे छात्र–छात्राओं को अध्ययनोपरांत जीवन में अटूट समर्थन एवं सहयोग प्रदान करता है। मुखपत्र के प्रकाशन का लक्ष्य महाविद्यालय–परिवार के भीतर सामाजिक एवं भावनात्मक सहयोग, सामुदायिक भावना, रचनात्मकता, पारदर्शिता, आत्मविश्वास तथा अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस मंच के माध्यम से हमारा लक्ष्य अपने पूर्व एवं वर्तमान छात्र–छात्राओं और उनके स्व–जनों को नवीनतम अपडेट, अनुभवात्मक समेकित शिक्षा, समावेशी शिक्षा–प्रणाली तथा हमारे समुदाय के भीतर उल्लेखनीय ढांचागत विकास के बारे में सूचित करना है। मुझे आशा है कि यह न्यूजलेटर एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेगा, हमें पूर्व विद्यार्थियों के साथ जोड़े रखेगा और अनुभवों के आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान करेगा।

'भिलङ्' शब्द क्षेत्र विशेष के निवासियों एवं भिलंगना नदी का द्योतक है। यह शब्द भिलंगना नदी से उद्भूत है जो भागीरथी की प्रमुख उपनदी है। इस नदी का उद्गम–स्रोत 'खतलिंग हिमनद' (उँचाई लगभग 3,717 से 3,900 मीटर) है। भिलंगना नदी के तट से थोड़ी दूर पर ही राजकीय महाविद्यालय पौखाल अवस्थित है।

यह आपका न्यूजलेटर है और मुझे आशा है कि इसकी मज़बूती और इसे प्रभावी बनाने में आप पूरे मनोयोग के साथ हमारा सहयोग करेंगे। प्रतिक्रिया का स्वागत है और ईमेलः pscigdcpaukhal@gmail.com के द्वारा इस पटल के वास्तुकार श्री अरविंद नारायण, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग को सूचित किया जा सकता है। आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूँ। इस शुभ अवसर पर श्री अरविंद नारायण जी और उनकी पूरी टीम का अभिनंदन और शुभकामनाएं।

नम्रतापूर्वक

प्रो. सुरेश चन्द्र ममगाईं

महाविद्यालय

संदृष्टि

महाविद्यालय को शिक्षा और ज्ञान के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करना, महाविद्यालय में नवाचार को बढ़ावा देना, राष्ट्र की उन्नति में योगदान देने हेतु छात्रों को तैयार करना, ग्रामीण क्षेत्र एवं कमजोर वर्गों के छात्रों को उच्च शिक्षा में प्रवेश हेतु सहयोग प्रदान करना, शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने एवं छात्रों के व्यक्तित्व विकास हेतु कार्य करना है।

ध्येय

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें उत्तराखण्ड और वृहद् भारत की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना और उनके लिए शोध परक शिक्षा के अनुकूल वातावरण तैयार करना ताकि वे वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकें।

प्रमुख बिन्दु

- विशेष उपलब्धि : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय साथ MOU, पृ. 2
- पूर्व प्राचार्य महोदय की विदाई एवं नव प्राचार्य महोदय का स्वागत
- कैलापीर (मंगसीर) बग्वाळ मेला
- महाविद्यालयी की चहल–पहल, पृ. 3
- समाचार पत्रों में महाविद्यालय
- महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ, पृ. 4

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

यह हमारे महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है कि आज हम अपने त्रैमासिक मुखपत्र (न्यूजलेटर) 'भिलङ्' के प्रथम अंक के साथ शैक्षणिक जगत में एक नए संवाद–मंच का शुभारंभ कर रहे हैं। यह न्यूजलेटर केवल गतिविधियों का संकलन नहीं, बल्कि महाविद्यालय की शैक्षणिक व सामाजिक ज़िम्मेदारी का प्रतिबिंब है। हम यह न्यूजलेटर महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, सह–पाठ्यक्रम आयोजन व विकास कार्यों को विमर्श के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारा प्रयास रहा है कि यह न्यूजलेटर महाविद्यालय की जीवंतता और सक्रियता को सटीक रूप में प्रस्तुत कर सके। हम विद्यार्थियों से अपेक्षा करते हैं कि वे अपनी सृजनात्मक प्रतिभा, विचार और अनुभवों के माध्यम से इस न्यूजलेटर को निरंतर समृद्ध बनायेंगे। शिक्षकों का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन इसे गुणवत्तापूर्ण और अधिक लक्ष्य–उन्मुख बनायेगा।

अंत में, इस न्यूजलेटर के प्रेरणा स्रोत व संरक्षक प्राचार्य महोदय के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। अपेक्षित सहयोग के लिए संपादक–मंडल के सदस्यों तथा अन्य सभी सहयोगियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। आशा है कि यह न्यूजलेटर भविष्य में महाविद्यालय की पहचान बनेगा और संवाद, विमर्श एवं सृजनशीलता की परंपरा को सुदृढ़ करेगा।

संपादक

अरविन्द नारायण

सहायक प्राध्यापक,

राजनीति विज्ञान विभाग

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव के साथ राजकीय महाविद्यालय पौखाल के प्राचार्य प्रो. सुरेश चंद्र ममगाईं

विशेष उपलब्धि

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी एवं महाविद्यालय पौखाल के प्राचार्य प्रो. सुरेश चंद्र ममगाईं के मध्य MOU पर हस्ताक्षर होने के फलस्वरूप इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल (टि.ग.) को 'उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय' का अध्ययन व परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस क्षेत्र के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अब आसान होगा। अध्ययन व परीक्षा केंद्रों के माध्यम से 'उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय' दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर आधारित उच्च शिक्षा को दूर–दराज़ के क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य करता है।

पूर्व प्राचार्य महोदय को भावभीनी विदाई एवं नव प्राचार्य महोदय का स्वागत

दिनाँक 03 सितम्बर, 2025 : महाविद्यालय परिवार द्वारा प्राचार्य प्रो. ए. एन. सिंह जी को दी गई भावभीनी विदाई (राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर में प्राचार्य पद पर पदोन्नत एवं स्थानान्तरण के फलस्वरूप)

दिनाँक 06 नवम्बर, 2025 : प्रो. सुरेश चन्द्र ममगाईं जी ने महाविद्यालय में नए प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय परिवार द्वारा नए प्राचार्य महोदय का स्वागत किया गया।

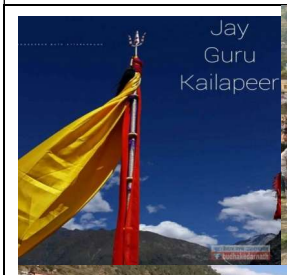

कैलापीर (मंगसीर) बग्वाळ मेला, बूढ़ा केदार

भिलंगना ब्लॉक के बूढ़ा केदार में दिनांक 20 से 22 नवम्बर तक गुरु कैलापीर (मंगसीर) बग्वाळ मेला का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। यहाँ पर दिवाली एक महीने बाद मंगसीर माह में मनाई जाती है । 19 नवम्बर की रात को बूढ़ा केदार में भैलों के साथ ग्रामीणों ने सामूहिक बग्वाळ खेली। अगली सुबह से ही बूढ़ा केदार स्थित गुरु कैलापीर मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया था, श्रद्धालुओं ने गुरु कैलापीर की पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद कैलापीर देवता के पश्वा ने 20 फीट लंबे चाँदी के निशान को मंदिर की खिड़की से बाहर निकाला जिसके बाद पश्वा ने निशान को लेकर गांव के खेतों की ओर दौड़ लगाई। देवता के इस निशान के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बूढ़ा केदार स्थित पुडांरा के सेरों में सात बार दौड़ लगाई। परंपरा के अनुसार लोगों ने देवता के निशान पर पुआल और फूल चढ़ाए। श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने के बाद देवता के निशान को अपने मूल स्थान पर स्थापित कर दिया गया। मेले में स्थानीय लोक–कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

महाविद्यालय, पौखाल में योग कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ–साथ आम जन को मिलेगा योग का लाभ ।

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेश में योग शिक्षकों के कुल 116 पदों पर नियुक्तियाँ दी गईं। इसी क्रम में योग शिक्षक के रूप में श्री प्रकाश चंद्र की नियुक्ति महाविद्यालय, पौखाल में की गई। योग–शिक्षक के पदस्थापन के पश्चात् महाविद्यालय में योग शिक्षा को नई ऊर्जा एवं दिशा प्राप्त हुई है। उनके आगमन से विद्यार्थियों व आस–पास के आम जन में योग के प्रति विशेष लगन, रुचि देखने को मिल रही है। महाविद्यालय में प्रातःकालीन समय सारिणी के अनुसार योग–कक्षाएँ विधिवत् एवं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योग कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूक्ष्म व्यायाम, सूर्य नमस्कार एवं योगिक जीवनशैली की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। साथ ही यह भी सिखाया जा रहा है कि किस प्रकार वे योग को अपनाकर तनावमुक्त जीवन, मानसिक संतुलन, शारीरिक स्वास्थ्य तथा एकाग्रता में वृद्धि कर सकते हैं। महाविद्यालय प्रशासन एवं विद्यार्थियों ने योग शिक्षक की नियुक्ति को एक सराहनीय कदम बताया है। निश्चित ही यह कदम उच्च शिक्षा में योग एवं स्वास्थ्य आधारित शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

टिहरी गढ़वाल, पौखाल। इंदर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल के अंग्रेजी विभाग की विभागीय परिषद के तत्वावधान में आज "Timeless Tales: A Journey through English Literature" विषय पर एक चार्ट मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी. आर. भद्री द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का संचालन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंधरुती शाह के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अंग्रेजी साहित्य के विभिन्न युगों एवं रचनाओं को रचनात्मक चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया। निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अनुरोध प्रभाकर, डॉ. बबीत कुमार बिहान, डॉ. पुष्पा झाबा, डॉ. अरविंद नारायण, डॉ. गोविंद कुमार तथा श्री प्रकाश बिजलवान शामिल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों से विषय-संबंधी प्रश्न भी पूछे। परिणामों की घोषणा में प्रथम स्थान कु. सिमरन, द्वितीय स्थान कु. कोमल एवं अंजलि (संयुक्त रूप से), तथा तृतीय स्थान कु. श्रुति को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्राध्यापक अरविंद नारायण को मिला सम्मान

सर्वगुण सोसाइटी, देहरादून द्वारा महाविद्यालय के प्राध्यापक अरविंद नारायण को राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। यह सम्मान उन्हें दूरस्थ क्षेत्र चमोली में दिए शैक्षिक योगदान के लिए दिया गया है।

Email:- bulandvani@gmail.com

टिहरी गढ़वाल, पौखाल। इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल (टिहरी गढ़वाल) में नशा मुक्ति भारत अभियान कार्यक्रम की 5 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आनलाइन क्विज़ और निबंध प्रतियोगिता और परिसर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. सी. ममगाई जी के मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत *"नशीले मादक पदार्थों के सेवन से परिवार पर दुष्प्रभाव"* विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त छात्रों ने प्रतिभाग किया। निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के अनुसार प्रथम स्थान- सविता, द्वितीय स्थान- श्रुति, तृतीय स्थान- अजय और अंजली संयुक्त रुप से प्राप्त किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत नशीले पदार्थों के सेवन और दुष्प्रभाव संबंधित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी आनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान- अदिति, द्वितीय स्थान- रेशमा, तृतीय स्थान- अरुण ने प्राप्त किया। नशा मुक्ति भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान (क्लीन एवं ग्रीन) कार्यक्रम चला गया जिसमें समस्त छात्र-छात्रों, प्राध्यापकों और कार्यालय कर्मचारियों ने सहयोग दिया। इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी आर भद्री, डॉ. अन्धरुति शाह राठी, डॉ. अनुरोध प्रभाकर, डॉ. बबीत कुमार बिहान, डॉ. पुष्पा झाबा, डॉ अरविंद नारायण डॉ. गोविंद कुमार, श्री प्रकाश चंद्र और कार्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे।

टिहरी गढ़वाल, पौखाल। इन्दर सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय पौखाल में नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी.आर. भद्री द्वारा नशा मुक्ति के बारे में बताया गया कि नशा मादक पदार्थों के उपयोग से शारीरिक, सामाजिक व मानसिक हानि कैसे होती है तथा नशा करने वाला व्यक्ति किस प्रकार कमाया हुआ धन को परिवार पर ना खर्च करके नशे पर खर्च करता है। इसके उपरांत सभी शिक्षकों के साथ मिलकर सभी छात्र/छात्राओं के द्वारा नशा मुक्ति के स्लोगन बोलते हुए महाविद्यालय से रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में व्यापक नशे की बुराइयों के प्रति लोगों को जागरूक करना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। दुकानों आदि स्थानों पर जाकर नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया की नशा करने वाले व्यक्ति का मानसिक शारीरिक व उसके परिवार तथा समाज पर क्या हानिकारक प्रभाव पड़ता है वह उसे कैसे बचा जा सकता है इसके बारे में लोगों को जागरूक किया गया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने *नशा छोड़ो जीवन सवारों युवा शक्ति देश की ताकत है नशा नहीं, शिक्षा आदत* है जैसे नारे लगातार लोगों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अन्धरुति शाह राठी, डॉ. अनुरोध प्रभाकर, डॉ. बबीत, डॉ. पुष्पा, डॉ. गोविंद, श्री प्रकाश के साथ कार्यालय कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान की जरूरत : डॉ बबित कुमार बिहा

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

टिहरी गढ़वाल, पौखाल। पर्यावरण अर्थात 'परी' एवं 'आवरण'। 'परी' का शाब्दिक अर्थ होता है 'चारों ओर' तथा 'आवरण' का अर्थ 'घेरा' अर्थात प्रकृति का हमारे चारों ओर घेरा इसके अंतर्गत आने वाले पादप, प्राणी, मृदा, जल, वायु आदि सभी इसके अभिन्न अंग है। इन्हीं से मिलकर पर्यावरण का सृजन होता है। हर्सकोविट्स विद्वान ने पर्यावरण को परिभाषित किया जिसमें बताया कि 'पर्यावरण समस्त परिस्थितियों और उसका जीवधारीयों पर पड़ने वाला प्रभाव है, जो जैव जगत के विकास चक्र का नियामक है।' तथा डेविस विद्वान ने पर्यावरण संबंध में कहा कि 'मनुष्य के संबंध में पर्यावरण से अर्थ भूतल पर मनुष्यों के चारों ओर फैले उन सभी भौतिक रूपों से है, जिनसे वह निरंतर प्रभावित होता रहता है।' पर्यावरण के अंतर्गत विभिन्न तत्वों के मध्य क्रियाएं प्रतिक्रियाएं चलती रहती है जिससे वातावरण का सृजन होता है। जिसमें मनुष्य के सामाजिक, मानसिक व स्वास्थ्य विकास के लिए एक स्वच्छ जलमंडल स्थल मंडल तथा वायुमंडल का योग होना आवश्यक है। मानव का पर्यावरण से संबंध है मानव की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान तक उसकी निर्भरता पर्यावरण पर बनी हुई है, लेकिन विकास और प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में मानवीय गतिविधियों और क्रियाकलापों से पर्यावरण को अति क्षति पहुंची है यही कारण है कि वर्तमान में जिला, राज्य,देश व वैश्विक स्तर पर एक चुनौती के रूप में पर्यावरण संरक्षण की जरूरत महसूस की जा रही है। भारतीय संदर्भ में भी वर्तमान में दिल्ली में बढ़ता हुआ प्रदूषण देख सकते हैं जिसमें ए.क्यू.आई. 355 को पार कर गया है। दिल्ली एनसीआर ही नहीं भारत के अन्य बड़े शहर जैसे जयपुर, रोहतक, बिहार छपरा, उड़ीसा आदि में भी एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा नहीं है। एयर क्वालिटी इंडेक्स 50 तक अच्छा माना जाता है लेकिन 100 हो जाए तो बीमार श्रेणी में 200 खराब श्रेणी में और 300 बेहद खराब श्रेणी में आता है जिसका मानव समाज पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। वायु प्रदूषण की समस्या की जड़ें काफी पुरानी है जब मनुष्य ने भोजन पकाने और ऊष्मा प्राप्त करने के लिए लकड़ी तथा अन्य ईंधन सामग्री को जलाना शुरू किया था और वर्तमान में औद्योगीकरण व सड़कों पर कार, अन्य वाहन ट्रैकों का जाल सभी वायु प्रदूषण के कारण है। संरचनात्मक स्तर पर पृथ्वी के वायुमंडल में 78.03% नाइट्रोजन, 20.99% ऑक्सीजन, 0.94 प्रतिशत आर्गन, 0.03% कार्बन डाइऑक्साइड तथा शेष 0.01% हाइड्रोजन, ओजोन, नियॉन व हीलियम आदि गैसें हैं। वायुमंडल की प्राणदायी ऑक्सीजन पौधों के कारण वायुमंडल में उपस्थित होती

महाविद्यालय के 11 छात्रों को मिली मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति

'मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना' के तहत महाविद्यालय, पौखाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 मेधावी छात्रों को चयनित किया गया। इस योजना के तहत वर्ष 2025 की प्रथम छमाही (जुलाई से दिसंबर) की पहली छात्रवृत्ति किस्त चयनित छात्रों को वितरित कर दी गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने कहा कि यह आर्थिक सहयोग ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के साथ–साथ उनमें सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने में मददगार होगी ।

छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र–छात्राएं :

- B.A. प्रथम वर्ष – समीक्षा, तनीषा, मानसी
- B.A. द्वितीय वर्ष – अजय, अंजली भंडारी, मनीषा भंडारी
- B.A. तृतीय वर्ष – श्रुति, खुशी
- B.A. उत्तीर्ण –दीक्षांत शुक्ला, गीतांजलि, संजय

महाविद्यालय, पौखाल परिसर में वाई–फाई कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की गई है। इस पहल से छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल लाइब्रेरी और अध्ययन सामग्री तक आसान पहुंच प्राप्त होगी।

शैक्षिक भ्रमण

उत्तराखण्ड सरकार की 'भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण योजना' के अंतर्गत महाविद्यालय, पौखाल से एक छात्र आशीष को चयनित किया गया। इस योजना के तहत् राज्य भर से चयनित छात्रों को देश के प्रमुख स्थानों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इसके साथ ही भूगोल विभाग द्वारा आयोजित शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. पुष्पा झाबा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का भ्रमण किया और ज्ञानवर्धक जानकारी हासिल की। भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत इन सभी छात्रों ने शिक्षकों एवं अन्य छात्रों के साथ अपने अनुभवों व प्राप्त विभिन्न जानकारी को साझा किया।

महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ